International Journal of Enhanced Research in Educational Development (IJERED)
ISSN: 2320-8708, Vol. 12 Issue 4, July.-August, 2024, Impact Factor: 8.376

दीक्षा ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफोर्म के प्रति ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक व शिक्षिका के शिक्षण क्षमता का अध्ययन

डॉ. शिप्रा गुप्ता[1], मनीषा कुमावत[2]

[1]रीडर, बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज, जयपुर
[2]बी.एड. एम.एड. छात्रा, बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज, जयपुर

Study of teaching ability of teachers working in government schools of rural areas towards DIKSHA online training platform

Dr. Shipra Gupta, Reader, Biyani Girls B.Ed. College, Jaipur

Manisha Kumawat, B.Ed.M.Ed. Students, Biyani Girls B.Ed. College, Jaipur

---

सार (Abstract):–

उंत्तम शिक्षण कार्य के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों आवश्यकता होती है। इसलिए शिक्षक की शिक्षण गुणवत्ता मे ं सुधार हेतु से वारत शिक्षको ं को प्रशिक्षण देने के लिए उन्नत तकनीको ं का प्रयोग किया जा रहा है। इसी दिशा में भारत सरकार द्वारा संचालित दीक्षा पोर्टल की शुरुआत की गई है जिसमें शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षण कौशल को विकसित कर शिक्षण गुणवत्ता में वृद्धि करना। शोधकर्त्री द्वारा अपने शोध के माध्यम से दीक्षा ऑनलाइन प्रशिक्षण से शिक्षकों के शिक्षण पर पहने वाले प्रभाव का अध्ययन का प्रयास किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य में सरकारी विद्यालय के 100 शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से प्रश्नावली पत्र को भरवाया गया। अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि दीक्षा पोर्टल ऑनलाइन प्रशिक्षण से शिक्षको के शिक्षण कार्य में सकारात्मक प्रभाव पडता है।

Keyword :–दीक्षा पॉर्टल ऑनलाइन प्राक्षिण, षिक्षक, षिक्षण, क्षमता, प्रभाव।

प्रस्तावना:–

मानव जीवन की प्रगति का विकास का मूल आधार शिक्षा है। शिक्षा का क्षेत्र ऐसा क्षेत्र जो समय के साथ–साथ नये आयाम प्राप्त कर रहा है और यह तभी सम्भव है जब शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर शिक्षण कौशल की गुणवत्ता मे ं वृद्धि कर पायेगें ।इसलिए मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा दीक्षा पोर्टल ऑनलाईन प्रशिक्षण शिक्षकां ं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। प्रशिक्षण एक ऐसा कार्य है जो समय के साथ प्राप्त करने से कार्य में दक्षता और कार्य कुषलता उपलब्धि में वृद्धि करता है तथा शिक्षक की शिक्षण गुणवत्ता में वृद्धि कर शिक्षण कार्य को प्रभावशाली बना सके। इसलिए शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ऑनलाइन शिक्षण प्रशिक्षण व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है, और समय के साथ बदलते तकनीकी व्यवस्था के साथ शिक्षण कार्य मे ं आ रही शिक्षण समस्याओ ं के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसलिए दीक्षा प्लेटफॉर्म पर कॉर्स उपलब्य करवाये जा रहे है जो सभी अलग–अलग स्तर के शिक्षको ं के लिए अलग–अलग कॉर्स उपलब्ध है।

1. **कक्षा–कक्ष प्रबन्धनः–**स.1ए स.2 कम सुनने वाले कमजोर नजर वाले जो सही तरीके से नहीं बोल पाते, उन बालकों को बैठाने का तरीका विद्यार्थियों के बैठने का सही तरीका।

   कक्षा प्रबन्धन का उद्देश्य शिक्षा के लिए एक स्थायी और व्यवस्थित वार्तावकरण। परिवेश सुनिश्चित करना जो विद्यार्थियों के विकास को समर्थन करता है। समय अनुकूल अध्ययन के लिए समय निर्धारित करना।

2. **समावेशी शिक्षाः–**स.1ए स.2 सभी छात्रों को समान अवसर प्रदान करना। अनेकता में एकता को बढ़ावा देना जाति, लिंग अक्षमता अन्य आवश्यकताओं के बावजूद सभी छात्रों को शामिल करना। छात्रों को उनकी प्रतिभा प्रदर्शन के आधार पर भेद नहीं करना।

3. **शिक्षकों के लिए डिजिटल लर्निंग**–लेवल 1–2 डिजिटल यंत्र जो शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग कर सीखने के अनुभवों को सक्षम बनाना छात्रों को आकर्षित इन्टरैक्टिव और मजेदार शिक्षण वातावरण को प्रेरित कर शिक्षण और सीखने में सुधार करना।

4. **बहुस्तरीय बहुकक्षी शिक्षा–**स.1ए स.2 समान स्तर के बालकों को समान विधि से पढ़ाना तथा समान विषयों को एक शिक्षक द्वारा बालकों को साथ–साथ बैठाकर पढ़ाना।

5. **विद्यार्थी आंकलन तकनीकीः–**स.1ए स.2 अध्ययनरत विद्यार्थियों के आंकलन को जाँचना तथा अवलोकन करना विद्यार्थियों के साक्षरता और संख्याज्ञान प्रवीणता स्तर में सुधार लाने के लिए उपयुक्त योजना का विकास करना।

किसी विषय पर डिजिटल कोर्स पूरा कर उसे अपनी कक्षा में उपयोग करना दीक्षा पोर्टल का उद्देश्य है। इस डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे शिक्षक बच्चों को सिखायें कि विधियाँ में ओर अधिक निपूण हो।

अध्ययन का औचित्यः–

प्रत्येक कार्य करने के कुछ कारण होते है। इस समस्या के चुनाव का भी कारण है। दीक्षा पोर्टल को लागू करने का भी कारण शिक्षकों की शिक्षण कौशल में सुधार कर शिक्षण गुणवता में वृद्धि करना। दीक्षा पोर्टल के प्रशिक्षण से शिक्षकों के शिक्षण कौशल गुणवता वृद्धि हो पाई है या नहीं अगर हो तो कितने स्तर तक।

1. क्या यह योजना शिक्षकों के कौशल में वृद्वि कर रही है ?
2. दीक्षा पोर्टल से सभी स्तर के शिक्षक प्रभावित हो रहे है या नहीं ?
3. दीक्षा पोर्टल किस स्तर तक शिक्षकों के लिए प्रभावित है ?
4. दीक्षा पोर्टल शिक्षक शिक्षण कौशल के उद्देश्यों की पूर्ति कर रहा है ?

सम्बन्धित साहित्य

- **स्तुति मिश्रा 2021 में झारखण्ड के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों की ऑनलाइन शिक्षा पर अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया।** उद्देश्य सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षा की बाधाओं का अध्ययन करना। सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों में ऑनलाइन शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना। निष्कर्ष ऑनलाइन शिक्षा को झारखण्ड के सरकारी स्कूल के बालकों के माता–पिता भी बालकों को महत्व नहीं दे रहे। झारखण्ड के सरकारी स्कूल में 115 बालकों में से 20 से 25 बच्चों के द्वारा ही ऑनलाइन शिक्षा में हिस्सा लिया जा रहा है।

- **विपुल पैकरा 2021 में 15 लड़कियों की कक्षा 1 से लेकर आठवीं तक के छात्रों का ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव पर अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया।** उद्देश्य जिन बालकों के माता–पिता कोरोना के चलते बेरोजगार हुए, उनके बालकों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन करना। ऑनलाइन कक्षाओं के बालकों की सीखने की स्थिति का आकलन करना। निष्कर्ष कोरोना के दौरान जिन बालकों

के माता–पिता बेरोजगार हो गए, उनके लिए यह शिक्षा फायदेमंद साबित नहीं हुई। ऑनलाइन कक्षा जो बालक नियमित ले रहे है, वे भी औरों की तुलना में ऑनलाइन शिक्षा से कम सीख रहे है।

- **कोलकत्ता रिसर्च सेंटर (2021) में विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षा प्रभाव का शोध अध्ययन प्रस्तुत किया।**उद्देश्य– ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था में छात्रों को उचित शिक्षा मिल रही है या नहीं, का अध्ययन करना। निष्कर्ष– इस शोध का यह निष्कर्ष निकला कि ऑनलाइन शिक्षा से बच्चों में असमानता बढ़ रहीं है।

- **डॉ. अरविन्द कुमार (2021) ने उत्तर प्रदेश के रूहेलखण्ड क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यालय के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण पर शोध अध्ययन किया।**उद्देश्य इस शोध का उद्देश्य ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना है। निष्कर्ष इस शोध का निष्कर्ष यह निकलता है कि शिक्षक से सीधे अन्तः क्रिया नहीं होने के कारण वे ई–कंटेंट को गम्भीरता से नहीं ले पाते है तथा उनकी रूचि इसमें धीरे धीरे कम हो रही है।

- **शिवम श्रीवास्तव एवं अनिता वर्मा (2021) ने उत्तर प्रदेश के छात्र किसान पीजी कॉलेज की छात्राओं पर कोविड–19 में सूचना एवं संचार तकनीकी का शैक्षिक योगदान पर अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया।**उद्देश्य इस शोध का उद्देश्य कोविड–19 के दौरान सूचना एवं संचार तकनीकी का शिक्षा पर जो योगदान दिया, उसका अध्ययन करना है। निष्कर्ष इस शोध से यह निष्कर्ष निकला है कि कोविड–19 के दौरान लॉकडाउन के कारण बालकों की शिक्षा रूक गयी थी, लेकिन सूचना एवं संचार तकनीकी के माध्यम से बिना रूके लगातार वापस चल पायी।

शोध अन्तराल :–

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने प्रस्तुत शोध से संबंधित देश व विदेश में किए गए विभिन्न निष्कर्ष को कर रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया है स्तुति मिश्रा 2021, विपुल पैकरा 2021, कोलकत्ता रिसर्च सेंटर (2021), डॉ. अरविन्द कुमार (2021), शिवम श्रीवास्तव एवं अनिता वर्मा (2021) आदि ऑनलाइन षिक्षा एवं विभिन्न पोंटलों पर शोध किया गया है परन्तु भारत सरकार द्वारा संचालिक दीक्षा पोर्टल के अन्तर्गत शिक्षकों हेतु चलाये जाने वाले कार्यक्रमों का शिक्षकों के शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन पर शोाध नहीं किया गया इसलिए भारत सरकार द्वारा संचालिक दीक्षा पोर्टल के अन्तर्गत शिक्षकों हेतु चलाये जाने वाले कार्यक्रमों का शिक्षकों के शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाए इसलिए इस समस्या का चुनाव किया गया है।

समस्या कथनः–

भारत सरकार द्वारा संचालिक दीक्षा पोर्टल के अन्तर्गत शिक्षकों हेतु चलाये जाने वाले कार्यक्रमों का शिक्षकों के शिक्षण पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

3. शोध के उद्देश्यः–

1. सरकारी विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों के शिक्षण कौशल की गुणवता में वृद्धि का अध्ययन।

शोध की विधिः–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री ने प्रदत्तों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया।

न्यादर्शः–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा यादृच्छिक न्यादर्ष पद्धति द्वारा सरकारी विद्यालय के 200 सेवारत शिक्षकों का व शिक्षिकाओं का चयन न्यादर्श में किया गया है।

शोध के उपकरणः–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा सरकारी विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिकाओं को जनसंख्या के रूप में चयन किया।

शोध की सांख्यिकी–

प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा उद्देश्य व परिकल्पनाओं को पूरा करने के लिए स्वतन्त्र टी परीक्षण किया।

परिकल्पना–दीक्षा ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफार्म के प्रति शहरी क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक व शिक्षिकाओं के शिक्षण प्रभाव में सार्थक अन्तर नहीं है–

क्र.सं.	समूह	संख्या छ	मध्यमान ;डद्ध	प्रमाप विचलन	टी–मान
1	शहरी पुरूष शिक्षक	100	49	1.16	1.21
2	शहरी महिला शिक्षिका	100	48	1.13	

कत्रि छ$_1$. छ$_2$ .2 कत्रि 100. 100 .2 कत्रि 198

0.05 स्तर पर टी का अपेक्षित मान त्र 2.021

0.01 स्तर पर टी का अपेक्षित मान त्र 2.704

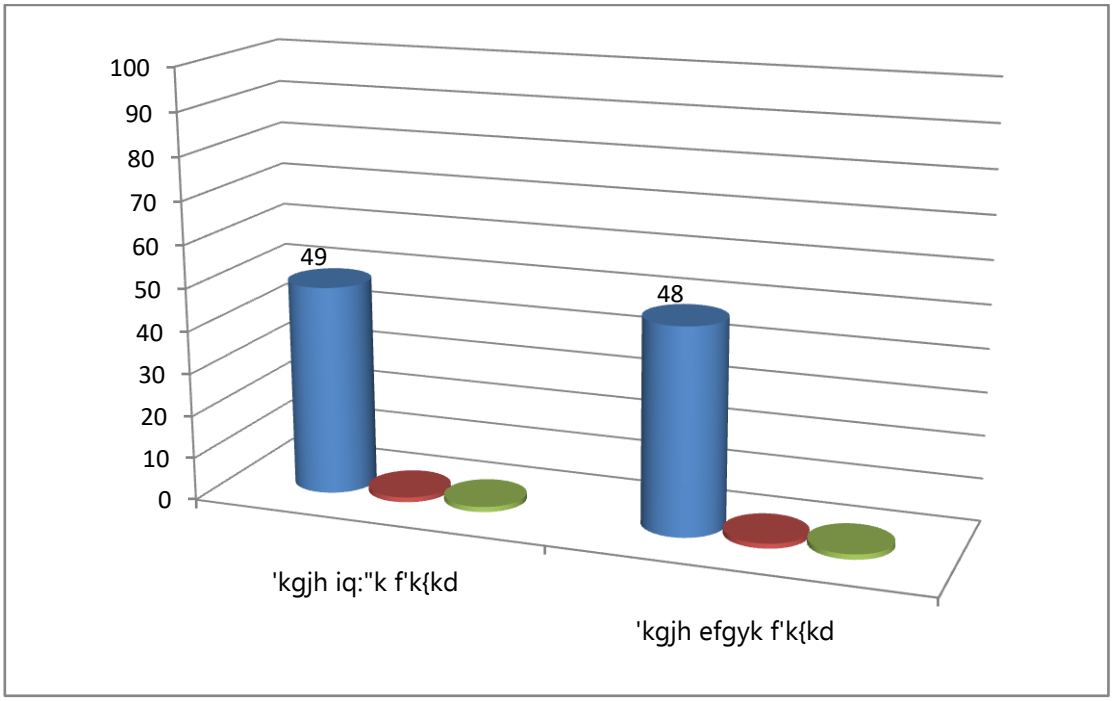

परिणाम :–

उपरोक्त तालिका 1 में शहरी क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों व महिला शिक्षिकाओं की दीक्षा पार्टल ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफार्म के प्रति शिक्षण कार्यो के प्रभाव को प्रदशिर्त करती है। तालिका के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि कत्रि 48 का टी तालिका मान 0.05 व 0.01 स्तर पर क्रमशः 2.021, 2.704 है। गणना करने पर टी का प्राप्त मान 1.21 है जो की तालिका से प्राप्त मान से कम है। अतः परिकल्पना में शहरी क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों व शिक्षिकाओं के शिक्षण के प्रभाव में सार्थक अन्तर नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष :–

शहरी क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक व महिला शिक्षिकाओं की दीक्षा पार्टल ऑनलाइन प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म के बारे में समान जानकारी है। अतः शहरी क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिका दीक्षा पार्टल ऑनलाइन प्रशिक्षण से शिक्षण कार्य में आने वाली समस्याओं का समाधान करने में सहयोग प्राप्त कर शिक्षण कार्य को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- स्तुति मिश्रा (2021) : झारखण्ड के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों की ऑनलाइन शिक्षा पर शोध अध्ययन, पी.एच.डी. स्तर, राजस्थान विष्वविद्यालय, जयपुर
- वपुल पैकरा (2021) : 15 लड़कियों की कक्षा 1 से लेकर आठवीं तक के छात्रों का ऑनलाइन शिक्षा का प्रभाव पर अपना शोध अध्ययन, पी.एच.डी. स्तर, जामिया इस्लामिया युनिवर्सिटी, इलाहाबाद।
- कोलकत्ता रिसर्च सेंटर (2021) : विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षा प्रभाव का शोध अध्ययन, पी.एच.डी. स्तर, कलकत्ता रिसर्च सेन्टर एवं विष्वविद्यालय।
- डॉ. अरविन्द कुमार (2021) : उत्तर प्रदेश के रूहेलखण्ड क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के विद्यालय के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण अध्ययन, पी.एच.डी. स्तर, दिल्ली विष्वविद्यालय।
- शिवम श्रीवास्तव एवं अनिता वर्मा (2021) : उत्तर प्रदेश के छात्र किसान पीजी कॉलेज की छात्राओं पर कोविड–19 में सूचना एवं संचार तकनीकी का शैक्षिक योगदान पर अपना शोध अध्ययन, पी.एच.डी. स्तर, वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर

WEB REFERENCES

- www.wikipedia.com
- www.shodhganga.com
- https://oaji.net
- https://communicationtoday.net
- https://www.aprimaati.com
- ringer.com
- www.wikipedia.com